158. एस० पर्फ्ल एंड कंपनी, 25/1सी आनंद पर्वत, नई दिल्ली—5
159. बाल्के पेंट, 16ए, डीएलएफ इंड० एरिया, दिल्ली
160. बालसंस पेंट इंडस्ट्री, ए—93, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस—2, नई दिल्ली 1
161. विकास रबड़ आयल एंड कैमिकल्स, मुंडका दिल्ली—41
162. सी० आर० लैदर० रेसल गार्डन, नांगलोई, दिल्ली।
163. वरूण डायकैम, 309 नया कटरा, चांदनी चौक
164. प्रीतम सिंह हरीसिंह, 31/1ए, स्ट्रीट नं० 2, आनन्द पर्वत इंड० एरिया, नई दिल्ली—5.
165. बंसल प्लाइवुड इंडस्ट्री (प्रा) लि० 37, स्माल स्केल कोआपरेटिव इंड० एस्टेट, जी० टी० के० रोड, दिल्ली—33
166. गुप्ता इंडस्ट्रीज, 150, जी—1 थाणे के सामने, रेस्ट हाउस, बदरपुर, नई दिल्ली—44
167. फिलिप्स रबड़ इंडस्ट्रीज, 299, गोकुल पुर, दिल्ली—94
168. फिलिप्स रबड़ इंडस्ट्रीज, 626-627, लोनी रोड, पूर्वी गोकल पुर, दिल्ली—94

Creation of Indian Education Service

3272. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR:
SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government propose to create an Indian Education Service on the lines of IAS of IFS, as suggested in the National Education Policy of 1986 and the Kothari Committee Report;

(b) if so, the details thereof; and

(c) the efforts made to attract bright youngsters to the Indian Education Service to manage the affairs of education?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPTT. OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MUHI RAM SAIKIA): (a) to (c) The Programme of Action (POA), 1992 provides for the establishment of the Indian Education Service (IES)as an essential step towards promoting a national perspective on management of education. It further provides that basic principles, functions and procedures of recruitment of this service should be decided in consultation with the State Govenments. Accordingly, States have been requested to furnish their detailed comments on the constitutions of IES.

Demand for coaches and wagons

3273. SHRI SANJAY DALIMA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether any survey has been conducted to find out the demand for coaches and wagons in the country;

(b) if so, the details thereof; and

(c) whether any action plan has been formulated by the Government top handover this work to private sector to meet the shotage?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) and (b) As-sesment of the requirement of coaches and wagons during a particular year is made on the basis of traffic target fixed in consultation with Planning Commission. During 1996-97, Railways expect to carry 410 mt of revenue earning traffic and 4194 million passengers for which a requirement of 25,000 wagons and 1,750 coaches has been projected.

(c) Apart from Railway Production Units, wagons and coaches are also supplied by Industry both in private and public sector.

गुजरात में रेल लाइनों का विद्युतीकरण

3274. श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गुजरात में अब तक कितनी लम्बाई की रेल लाइन का विद्युतीकरण किया गया है;

(ख) कितनी लम्बाई की रेल लाइन का विद्युतीकरण किया जाना शेष है तथा इसका स्थानवार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या राजकोट और भावनगर मंडल के अंतर्गत सभी रेल लाइनों का अभी तक विद्युतीकरण हुआ ही नहीं है जिसके परिणामस्वरूप इन मंडलों में लम्बी दूरियों की रेल लाइनों को जोड़ा ही नहीं जा सका है;

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और क्या सरकार ने इस वर्ष के रेल बजट में कोई विशेष प्रावधान किया है; और

(ङ) परियोजनावार रेल लाइनों के विद्युतीकरण के लम्बित कार्य को कब तक पूरा कर लिये जाने की संभावना है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) और (ख) गुजरात में 1881 मार्ग किलो मीटर के बड़े आमान के रेलपथ में से 31.3.96 को 651 मार्ग कि० मी० का विद्युतीकरण कर दिया गया है, फिलहाल शेष रेलपथ को किसी अनुमोदित कार्य में शामिल नहीं किया गया है.

(ग) से (ङ) विद्युतीकरण परियोजना अत्याधिक पूंजी वाली परियोजना है और उन बड़े आमान के मार्गों, जहां पर यातायात का घनत्व अधिक होता है और निवेश पर प्रतिफल निर्धारित न्यूनतम दर से कम न हो के विद्युतीकरण पर विचार पर किया जाता है, राजकोट और भावनगर मंडलों की रेल लाइनों का फिलहाल विद्युतीकरण के लिए औचित्य नहीं है.

वनरोपण के लिये धन का आवंटन

3275. श्री रामजीलाल: क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान वनों के लिये कितनी धनराशि का आवंटन किया गया;

(ख) कुल कितने पेड़ लगाये गये और उनमें से कितने पेड़ टिके रहे;

(ग) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान हरियाणा को कितनी धनराशि प्राप्त हुई; और

(घ) वहां पर कितने वृक्ष लगाने का लक्ष्य रखा गया और वास्तव में कितने वृक्ष लगाये गये?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन जय नारायण प्रसाद): (क) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान केन्द्रीय और राज्य योजनाओं के तहत वानिकी और वन्यजीव सेक्टर के लिए 4081.87 करोड़ रूपये की कुल राशि आवंटित की गई थी।

(ख) इस अवधि के दौरान 60,47,842,68 हैक्टेयर सार्वजनिक और निजी दोनों प्रकार की भूमि वृक्षारोपण के लिए कवर की गई। उगाए गए पेड़ों की उत्तरजीविता दर एक दूसरे जिले से जिले में भिन्न भिन्न है और लगभग 50 से 60% के अनुपात में है।

(ग) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान हरियाणा राज्य को वानिकी और वन्यजीव सेक्टर के लिए राज्य योजना के तहत 117.70 करोड़ रूपए की राशि आवंटित की गई थी।

(घ) योजना अवधि में 2,28,250 है. भूमि का लक्ष्य वृक्षारोपण के लिए कवर करना नियत किया गया था जिसके बदले में अब तक 1.66.096.5 हैक्टेयर भूमि वृक्षारोपण के तहत कवर की गई है।

Water Problem in Kcndriya Vidyalayas

3276. SHRI N. GIRI PRASAD: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that in most of Kendriya Vidyalaya in Delhi, unhygienic drinking water is being provided for con sumption of students;

(b) whether it is also a fact that students arc encouraged to bring water from their homes, thereby adding to al ready heavy burden of books/bags; and

(c) if so, the details of the efforts, if any, made by KVS to solve the problem?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPTT OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MUHI RAM SAIKIA): (a) No, Sir.

(b) and (c) Adequate arrangements for supply of potable water have been made in Kendriya Vidyalayas,

Damages to railway lines due to heavy rain

3277. SHRI RAHASBIHARI BARIK: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of damages to railway lines due to heavy rain in the Khurdha Road, Railway Division;